



खत्म हुई रिश्तों की खटास ! पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप साथ-साथ ऐसी तस्वीरें दे रहीं गवाही



(जीएनएस)। जी-7 समिट के दौरान जब दुनिया के बड़े नेता एक साथ आए, तो वहां एक खास गुप फोटो हुई. इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाकी बड़े नेताओं के साथ सबसे आगे खड़े नजर आए. यह फोटो वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते दबदबे को साफ दिखाती है.

मंच पर जैसे ही दोनों नेताओं का आमना-सामना हुआ, डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी की तरफ हाथ बढ़ाया.

पीएम मोदी ने भी तुरंत उनका हाथ थाम लिया. दोनों नेताओं के चेहरे पर एक-दूसरे से मिलने की खुशी साफ दिख रही थी, जिसे कैमरों ने तुरंत कैद कर लिया.

ट्रंप के हाथ बढ़ाते ही पीएम मोदी ने तुरंत आगे बढ़कर उनका हाथ थाम लिया. ट्रंप सिर्फ हाथ मिलाकर रुके नहीं, बल्कि वे काफी देर तक मोदी का हाथ पकड़े रहे. दोनों नेताओं के बीच की यह करीबी देखने लायक थी.

मुलाकात का सबसे बढ़िया नजारा

तब दिखा जब ट्रंप खुद पीएम मोदी को

मंच के नीचे तक छोड़ने आए.

रक्षा क्षेत्र में भारत ने तोड़े उत्पादन के सभी रिकॉर्ड, पीएम मोदी बोले- यह सुरक्षित भारत का प्रमाण

(जीएनएस)। नई दिल्ली। देश की बढ़ती रक्षा उत्पादन क्षमता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की है। कहा कि यह 12 वर्षों में सुरक्षित भारत बनाने का प्रमाण है। यह हमारी आत्मनिर्भर बनने के संकल्प को पूरा करने के लिए नवाचार, तकनीकी और स्वदेशी

उत्पादकता के विकास का भी प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने यह भावना एक्स पर पोस्ट अपने बयान में व्यक्त की है। प्रधानमंत्री मोदी ने माईगोवर्ल्डिया एप के जरिये कहा है कि भारत ने बीते 12 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमताएं बढ़ाई हैं। भविष्य में भी देश नवाचार, तकनीकी और आगे बढ़ने के

ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की 'कुशल और सख्त वाताकार' के रूप में प्रशंसा की

(जीएनएस)। एविन-लेस-बैंस (फ्रांस), अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'कुशल और बहुत सख्त वाताकार' के रूप में प्रशंसा की और कहा कि वह भविष्य में भारत का दौरा करेंगे। दोनों नेताओं की यहां जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात हुई। दोनों देश व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में कितने करीब है, इस सवाल के जवाब में ट्रंप ने मोदी के वार्ता कौशल की सराहना की। ट्रंप ने कहा, "बहुत करीब।"



उन्होंने कहा, "हम इस पर कुछ समय से काम कर रहे हैं। वह बहुत सख्त वाताकार हैं। सबसे सख्त लोगों में से एक।" अपने विशिष्ट अंदाज में प्रधानमंत्री

मोदी की प्रशंसा करते हुए ट्रंप ने कहा, "वह देखने में सबसे खूबसूरत व्यक्ति हैं, वह बहुत अच्छे लगते हैं, वह एक फरिश्ते (एंजल) जैसे हैं। लेकिन वास्तव में वह बेहद सख्त हैं, वह एक

'घातक (किलर)' हैं।" अमेरिकी राष्ट्रपति जब यह टिप्पणी कर रहे थे तो बगल में बैठे मोदी मुस्कुरा रहे थे। ट्रंप ने कहा, "लेकिन वह देखने में इतने अच्छे लगते हैं कि वे आपको चौंका देते हैं। लोग कहते हैं कि वह बहुत अच्छे व्यक्ति हैं, लेकिन मैं कहता हूँ कि सीदेबाजी के मामले में वह बेहद सख्त हैं।" ट्रंप ने यह भी कहा कि मोदी भारतीय लोगों से बहुत प्रेम करते हैं। साथ ही उन्होंने 2019 में टेक्सास में आयोजित 'हाउडी मोदी!' कार्यक्रम का भी उल्लेख किया।

जब मोदी ने 2020 में अहमदाबाद में आयोजित 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम का उल्लेख किया, तब ट्रंप ने कहा, "हम भविष्य में भारत की यात्रा करेंगे।"

इस फ्रांसीसी शहर में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान ट्रंप ने ये टिप्पणियां कीं। उनकी व्यापक चर्चा प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते, रक्षा और

संजय देशमुख कौन ? क्या है उद्धव ठाकरे की शिवसेना की बगावत से इनका कनेक्शन ?

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को एक बहुत बड़ा झटका लगा है। पार्टी के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 सांसद उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इन बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की एक पत्र भेजकर संसद में खुद को अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के साथ ठीक वैसा ही हुआ जैसा बीते सप्ताह पश्चिम बंगाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तुल्यमूल कांग्रेस पार्टी के साथ हुआ था। हालांकि टीएमसी के बागी सांसदों ने खुलकर विद्रोह किया था लेकिन उद्धव ठाकरे के खिलाफ हुए सियासी झगड़े की पटकथा अत्यंत गोपनीय ढंग से लिखी गई।

'अपना सपना मनी मनी' 6 सांसदों की बगावत के बीच भारी-भरकम पैसे का लालच दिये जाने की ओर इशारा दे रहे हैं संजय राउत

(जीएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बहुत बड़ा भूचाल आने के संकेत मिल रहे हैं। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के लोकसभा सांसदों में एक बार फिर फूट की खबरें हैं। इस बीच, पार्टी के सीनियर नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने अपना सपना मनी मनी वाला दावा लगाकर देश की राजनीति में सनसनी फैला दी है। संजय राउत का आरोप है कि उद्धव ठाकरे के सांसदों को पाला बदलने के लिए भारी-भरकम पैसे का लालच दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि हर एक सांसद को 50 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया है, जिसमें से 15 करोड़ रुपये एडवांस के तौर पर दिए जा रहे हैं। संजय राउत ने दिल्ली में एक प्रेस

कॉन्फ्रेंस बुलाई, जिसमें उनके साथ पार्टी के वफादार सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे भी मौजूद थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा-"मुझे एक बहुत जबरन और बड़े व्यक्ति का फोन आया था। उसने मुझे बताया कि महाराष्ट्र में सांसदों को खरीदने की कोशिश हो रही है। उन्हें 50 करोड़ रुपये का ऑफर है और 15 करोड़ रुपये (पेशगी) के तौर पर दिए जा रहे हैं।" राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर भी लिखा- "हैरान करने वाली जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र के सांसदों को आज रात ही 15-15 करोड़

रुपये एडवांस दिए जा रहे हैं। अपना सपना मनी मनी।" राउत ने चेतावनी दी कि जो सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न (मशाल) पर जीतकर आए हैं, उन्हें



गद्दारी करने का कोई हक नहीं है। इस बार जनता इन्हें माफ नहीं करेगी और इसका कड़ा विरोध होगा। सभी 9 सांसदों को बैठक में बुलाया गया

पार्टी में टूट की खबरों के बीच शिवसेना (UBT) के लोकसभा दल के नेता अरविंद सावंत ने सभी 9 सांसदों को गुरुवार सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया है। संजय राउत ने कहा कि जो सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न पर जीतकर संसद पहुंचे हैं, उन्हें पार्टी के साथ विश्वासघात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई ऐसा कदम उठाता है तो जनता इसकी प्रतिक्रिया देगी।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि विरोधी खेमा (एकनाथ शिंदे गुट) उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसदों को अपने पाले में लाने के लिए एक खास मिशन चला रहा है, जिसे 'ऑपरेशन टाइगर' नाम दिया गया है।

2047 तक दुनिया की ताकत बनेगा भारत ? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बताई पूरी रणनीति

(जीएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने विश्वास जताया है कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उनका कहना है कि 'आर्थिक विकास, जनकल्याणकारी योजनाएं, तकनीकी प्रगति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़ा जनविश्वास इस लक्ष्य को हासिल करने की सबसे बड़ी ताकत हैं।' नोएडा में आयोजित 'विकसित भारत' विषयक एक बौद्धिक सम्मेलन के दौरान मीडिया से बातचीत में गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि 'मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों ने भारत के व्यापक परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार की है। उन्होंने सरकार की

कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए दावा किया कि 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।' गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा, 'पिछले 12 साल विकास, विश्वास और जनकल्याण के रहे हैं। आज वैश्विक मंच पर भारत की आवाज

पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को दुनिया भर में पहचान और सम्मान मिला है।' उद्योगों और रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष काम कर रही है सरकार' वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितताओं के बीच भविष्य की चुनौतियों पर बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि 'सरकार उभरते

उद्योगों और रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देकर पहले ही आगे की रूपरेखा तैयार कर चुकी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और रेयर अर्थ मिनेरल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश और नीतिगत समर्थन भारत के विकास के अगले चरण की आधारशिला बनने जा रहे हैं।' '65 प्रतिशत रक्षा जरूरतें धरेलू स्तर पर पूरी की जा रही' गोपाल कृष्ण अग्रवाल के मुताबिक 'ये क्षेत्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं और इनके नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी पैदा किए जा रहे हैं।'



कहां से लगी सपा में टूट की आग ? 19 बार सुलगी चिंगारी, पूर्व सीएम अखिलेश यादव का 'कुनबा' बिखरने वाला है ?

(जीएनएस)। महाराष्ट्र में शिवसेना (UBT) की दूसरी बड़ी टूट ने विपक्षी दलों के अंदरखाने की हलचल तेज कर दी है। अब उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी और संगठित विपक्षी ताकत समाजवादी पार्टी में फूट की सुगबुगाहट जोर पकड़ रही है। यूपी के डिप्टी मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कहा है कि सपा के 25-26 सांसद टूटने को तैयार बैठे हैं और पार्टी का हाल ळट से भी बदतर हो सकता है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और मंत्री ओम प्रकाश राजभर तो लगातार 25 मई से 17 जून तक, यानी करीब 19 बार, अखिलेश यादव और सपा पर हमलावर रहे।

अखिलेश यादव ने इन सारे दावों को इखड़ की 'मानसिकता' बताकर खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सपा एकजुट है और 2027 के चुनाव में मजबूती से लड़ेगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ इखड़ की मनोवैज्ञानिक लड़ाई है या सपा के अंदर वाकई कोई गहरी

दरार पैदा हो गई है? यूपी की सियासत में यह बहस 2027 से पहले का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय बनती जा रही है। ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं। ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं। ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं।

2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं। ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं। ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं। ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखड़ के साथ आए थे। अब वे सपा के डड़ और दलित वोट बैंक में संघ रहीं हैं।



गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO. 2002

Jio Air Fiber

Jio tv +

Jio Fiber

Daily Hunt

ebaba Tv

Dish Plus

DTH live OTT

Rock TV

Airtel

Amezone Fire

Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही गरवी गुजरात हिंदी चैनल देखिये

बदायूं में ट्रैक्टर और ई रिक्शा की टक्कर, 6 की मौत; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जताया दुख

उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा ट्रैक्टर और ई-रिक्शा के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया है। (जीएनएस)।

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा ट्रैक्टर और ई-रिक्शा के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अकाउंट से प्रधानमंत्री की तरफ से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए हादसे में लोगों की जान



जाना बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और अधिकारियों को इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी

संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकान्कुल परिजनों को यह अथाह पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुःख सहने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

घटना को लेकर जिलाधिकारी ने

बताया कि मामला उझानी थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। ई-रिक्शा और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तमाम अधिकारी मौके पर और अस्पताल पहुंचे।

जिलाधिकारी के अनुसार, ई-रिक्शा सवार पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। सड़क पर एक ट्रैक्टर के साथ ई-रिक्शा की टक्कर हुई, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई है। 3 लोगों का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है, जिसमें से 2 की हालत गंभीर बताई गई है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जरूरत पड़ने पर घायलों को बेहतर इलाज के लिए कहीं और शिफ्ट भी किया जा सकता है।

बताया जा रहा है कि घटना में शामिल ट्रैक्टर रेंस कर रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ है। हालांकि, जिलाधिकारी का कहना है कि अभी इस मामले की जांच चल रही है, जिसके बाद कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है। उन्होंने पुष्टि की कि दो ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है।

दुष्कर्म के आरोपी कथावाचक पवन देव महाराज पर शिकंजा कसा, 15 हजार का इनाम घोषित किया

कथावाचक पवन देव महाराज ने महिला को राम मंदिर दर्शन के बहाने अयोध्या बुलाया और नाका हनुमानगढ़ी स्थित एक मंदिर में कथित रूप से फर्जी विवाह रचाया। इसके बाद विवाह का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। (जीएनएस)।

बीकापुर , बीकापुर कोतवाली पुलिस ने गंभीर आपराधिक मामले में वांछित चल रहे कथावाचक पवन देव महाराज की गिरफ्तारी के लिए शिकंजा और कस दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या ने फरार आरोपी पर 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है।

पुलिस के अनुसार, बिहार के सीवान जनपद निवासी एक महिला ने कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के मलेथू कनक गांव निवासी कथावाचक पवन

देव महाराज पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने तथा लाखों रुपये के जेवरात हड़पने का आरोप लगाया है।



पीड़िता का कहना है कि बिहार में कथा वाचन के दौरान उसकी कथावाचक से पहचान हुई थी। बाद में आरोपी ने उसे राम मंदिर दर्शन के बहाने अयोध्या बुलाया और नाका हनुमानगढ़ी स्थित एक मंदिर में कथित रूप से फर्जी विवाह रचाया।

इसके बाद विवाह का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए।

पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली बीकापुर में पवन देव महाराज एवं उनके पिता रमाकांत शास्त्री के विरुद्ध दर्ज रिपोर्ट दर्ज किया गया है। महिला का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जा चुका है व मेडिकल परीक्षण को कार्रवाई भी पूरी हो चुकी है।

मामला दर्ज होने के बाद से दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। मलेथू कनक स्थित उनके आवास पर ताला लगा हुआ है। पुलिस लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र पांडेय ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और आमजन से सहयोग प्राप्त करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है।

वर्ल्ड सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी डे पर लखनऊ की समृद्ध खानपान परंपरा से रूबरू कराएगा पर्यटन विभाग, विशेष फूड हेरिटेज वॉक का होगा आयोजन

वर्ल्ड सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी डे पर लखनऊ की समृद्ध खानपान परंपरा से रूबरू कराएगा पर्यटन विभाग, आयोजित होगी विशेष फूड हेरिटेज वॉक (जीएनएस)।

लखनऊ: नवाबों का शहर लखनऊ अपनी समृद्ध खानपान परंपरा और अनूठे स्वाद के दम पर दुनिया में अलग पहचान बना रहा है। यूनेस्को के क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी का दर्जा मिलने के बाद यह पहचान और मजबूत हुई है. इसी विरासत का उत्सव मनाने के लिए यूपी पर्यटन विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'विजिट माई स्टेट उत्तर प्रदेश अभियान के तहत 18 जून को वर्ल्ड सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी डे के अवसर पर विशेष फूड हेरिटेज वॉक आयोजित करेगा.

खानपान और विरासत से रूबरू होंगे पर्यटक: यह विशेष हेरिटेज वॉक प्रतिभागियों को चौक की ऐतिहासिक गलियों से होकर ले जाएगी. इसकी



शुरूआत राजा की टंडाई से होगी और यह गोल दरवाजा, सेवक राम मिश्रान भंडार, अकबरी गेट समेत अन्य प्रमुख स्थलों से गुजरते हुए फिर गोल दरवाजा पर समाप्त होगी.

इस दौरान प्रतिभागियों को लखनऊ की विरासत और पारंपरिक अवधी व्यंजनों का अनुभव कराया जाएगा. अनुभवी टूर गाइड पूरी यात्रा के दौरान उनका मार्गदर्शन करेंगे. इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रति व्यक्ति 300 रुपये फूड तय किया गया है.

चौक फूड हेरिटेज वॉक के माध्यम से खाद्य प्रेमियों, पर्यटकों,

विद्यार्थियों और विरासत में रुचि रखने वाले लोगों को लखनऊ की पाक विरासत और सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी परंपराओं को करीब से जानने का अनूठा अवसर मिलेगा. इच्छुक प्रतिभागी यूपीएसटीडीसी के मोबाइल नंबर 91490 99890 पर संपर्क कर जिस्टेशन करा सकते हैं.

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटकों को प्रदेश की समृद्ध खानपान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है. लखनऊ को यूनेस्को

क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में मिली पहचान यहां की समृद्ध खानपान परंपरा और पारंपरिक व्यंजनों को संजोने की उसकी खास पहचान को दर्शाती है.

फूड हेरिटेज वॉक जैसी पहल के जरिए हमारा उद्देश्य स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा देना, पारंपरिक खाद्य समुदायों को प्रोत्साहित करना और सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी को उत्तर प्रदेश की पर्यटन पहचान का अहम हिस्सा बनाना है.

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि किसी भी पर्यटन स्थल की असली पहचान वहां की संस्कृति और खानपान से होती है. 'विजिट माई स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के जरिए हम ऐसे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटकों को प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है. लखनऊ को यूनेस्को

यूपी: योगी सरकार का 'जहर मुक्त भोजन' महाभियान, गोशालाओं से सीधे घर पहुंचेगा ऑर्गेनिक खाना

(जीएनएस)।
उत्तर प्रदेश में 'जहर मुक्त भोजन' का मेगा कैम्पेन शुरू किया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत अब लोगों की थाली तक सीधे खेतों से निकला शुद्ध और जहरमुक्त भोजन पहुंचाया जाएगा. इस पूरे महाभियान का केंद्रबिंदु उत्तर प्रदेश की गोशालाएं होंगी, जिन्हें अब सिर्फ गोसंरक्षण ही नहीं, बल्कि शुद्ध खाद्य पदार्थों के बड़े सप्लाय सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा.

पहले चरण में चयनित गोशालाओं के 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले परिवारों को इस महा अभियान से जोड़ा जाएगा. इन परिवारों तक प्राकृतिक खेती से उपजे खाद्यान्न, ताजी सब्जियां, फल और पंचांगव्य आधारित उत्पाद सीधे पहुंचाए जाएंगे. गो सेवा आयोग ने इसके लिए 'फार्म टू कंज्यूमर' (खेत

से सीधे उपभोक्ता तक) मॉडल तैयार किया है. इससे उपभोक्ताओं को सही कीमत पर और किसानों को उनकी उपज का और बेहतर मूल्य मिल

परिवारों से इसकी शुरूआत होगी. यह मॉडल गोशालाओं को ग्रामीण समृद्धि और सेहत का नया केंद्र बनाएगा.



सकेगा.

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जैविक सब्जियां, फल और अनाज सीधे घरों तक पहुंचेंगे.

पहला टारगेट रेडियस: शुरूआती फेज में गोशाला के 5 किलोमीटर के

'जहर मुक्त भोजन' मिशन की

विशेषताएं

जैविक खाद्य: गोशालाओं के सहयोग से तैयार होने वाली 100% जैविक सब्जियां, फल और अनाज सीधे घरों तक पहुंचेंगे.

पहला टारगेट रेडियस: शुरूआती फेज में गोशाला के 5 किलोमीटर के

खान झूठा-गद्दार, मैं रौशन के साथ', कौन हैं दारोगा गुरु?

(जीएनएस)।
कोचिंग फायरिंग केस की वजह से इन दिनों मशहूर टीचर खान सर विवादों में है तो वहीं 'ज्ञान बिंदु' कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की सदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पटना प्रशासन से लेकर छात्र समुदाय तक में हड़कंप पैदा कर दिया है।

जहां एक ओर खान सर ने प्रिंस की मौत पर अफसोस जताया है, वहीं दूसरी ओर बेल मिलने के बाद जेल से बाहर आए रौशन आनंद ने खुले तौर पर खान सर को ही अपने भाई की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

पीटीआई से बात करते हुए गुरु उन्होंने कहा कि 'जेल से बाहर आते ही रौशन ने 'जय सनातन' के नारे लगाए और उधर खान सर 'मुस्लिम कार्ड' खेल रहे हैं, क्या रौशन आनंद सनातन का मतलब समझते हैं? क्या खान सर इस्लाम का अर्थ जानते हैं? झूठ बोलना और फ्रॉड करना किसी धर्म में नहीं है। अगर टीचर ही समाज को धर्म के नाम पर बांटने का काम करने लगे तो मेरी नजर में वो टीचर नहीं 'गद्दार' है।'



रहमान सर का ये बयान सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। कुछ लोग उनके साथ नजर आ रहे हैं तो कुछ लोग उन्हें ही कोस रहे हैं। मालूम हो कि पटना समेत पूरे बिहार में गुरु रहमान को लोग 'दारोगा गुरु' कहकर बुलाते हैं। साल 1994 से वो गरीब बच्चों, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर को पढ़ा रहे हैं। अब तक उनके

पढ़ाए हुए 7856 छात्र-छात्राएं दारोगा बन चुके हैं इसलिए वो 'दारोगा गुरु' के नाम से विख्यात हैं, हालांकि वो केवल दारोगा के एजाम की तैयारी नहीं करवाते बल्कि सिविल सर्विसेज और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी स्टूडेंट को कोचिंग देते हैं।

सबसे खास बात ये है कि गुरु रहमान आज भी 11 रुपये की गुरु दक्षिणा के साथ छात्रों को शिक्षित करने का काम कर रहे हैं। साल

93 किमी. की जगह अब 170 किमी, 12 नए रूट प्रस्तावित... लखनऊ मेट्रो का होगा बड़ा विस्तार; चारबाग से पीजीआई हटा

अगले 15 साल की जरूरतों के लिए 3500 करोड़ का खर्च' (जीएनएस)।

लखनऊ। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के बाद लखनऊ का मेट्रो का विस्तार 170 किलोमीटर और होगा। लखनऊ मेट्रो ने कुल 12 नए रूट के लिए सर्वे किया है। इस सर्वे में पिछले प्रस्तावित रूट में आंशिक बदलाव किया गया है। विजन 2047 के तहत यूपीएमआरसी ने पहले आठ नए रूटों पर मेट्रो सेवाएं दौड़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था।

नए प्रस्ताव में इनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। चारबाग से कैंट होकर एसजीपीजीआई के रूट को नए प्रस्ताव से हटा दिया गया है।

15 साल की जरूरत का सर्वे कर शासन को यूपीएमआरसी ने सौंपी रिपोर्ट

यूपीएमआरसी ने ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को छोड़कर पहले जिन आठ रूटों को प्रस्तावित किया था, उसका दायरा 93.76 किलोमीटर था। वहीं, नए प्रस्ताव में मेट्रो का विस्तार 170.37 किलोमीटर तक प्रस्तावित है। इसमें 149.87 किलोमीटर एलिवेटेड और 20.5 किलोमीटर भूमिगत

कारिडोर प्रस्तावित है। वसंतकुंज से कल्ली पश्चिम कारिडोर सबसे लंबा 34 किलोमीटर का होगा।

मेट्रो में यात्रियों की संख्या प्रतिदिन 80 हजार से बढ़कर 87 हजार तक हो गई

ईरान-इजरायल व अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण भारत सहित दुनिया भर में तेल को लेकर गहराए वैश्विक संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों देशवासियों से सार्वजनिक यातायात के साधन के अधिक उपयोग की अपील की थी। उनकी अपील का असर हुआ कि एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया तक दौड़ रही मेट्रो में यात्रियों की संख्या प्रतिदिन 80 हजार से बढ़कर 87 हजार तक हो गई।

सर्वे के तहत अगले 15 साल में 170 किलोमीटर और नए रूट पर मेट्रो की आवश्यकता वहीं, मुख्यमंत्री के आदेश के बाद मुख्य सचिव ने एक बैठक कर मौजूदा मेट्रो कॉरिडोर पर फीडर सर्विस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उनके आदेश पर ही उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) ने नए सिरे में मेट्रो सर्विस की डिमांड से जूझ करारा है। सर्वे के तहत अगले 15

साल में 170 किलोमीटर और नए रूट पर मेट्रो की आवश्यकता होगी। इसपर करीब 3500 करोड़ रुपये खर्च आएगा।

सर्वे बाद दिया इन प्रस्तावित रूटों का प्रस्ताव: कॉरिडोर –कुल लंबाई– एलिवेटेड–भूमिगत राजाजीपुरम से आईआईएम–18 किमी.–5.65 किमी.–12.35 किमी. एयरपोर्ट से कल्ली पश्चिम –15.5 किमी.–8.5किमी.–7 किमी. इंदिरानगर से अनौराकला–9.66 किमी. –9.66 किमी. – 0 इंदिरानगर से सीजी सिटी–11.5 किमी. –11.5 किमी. – 0 सीजी सिटी से एसजीपीजीआई – 9.8 किमी. –9.8 किमी. – 0 राजाजीपुरम से मूसाबाग – 5.98 किमी. –4.83 किमी. – 1.15 किमी. वसंतकुंज से आईआईएम –12 किमी. – 12 किमी. – 0 मुंशीपुलिया से जानकीपुरम –6.5 किमी. – 6.5 किमी. – 0 अनौराकला से बाराबंकी –14.43 किमी. – 14.43 किमी. – 0 कल्ली पश्चिम से मोहनलालगंज– 7.2 किमी. – 7.2 किमी. – 0 वसंतकुंज से कल्ली पश्चिम –

34.8किमी. – 34.8किमी. – 0 अनौरा कला से कल्ली पश्चिम – 25.0 किमी.– 25.0 किमी. – 0 पूर्व में यह रूट था प्रस्तावित इंदिरानगर से अनौराकला –9.27 किमी. अनौराकला से बाराबंकी –14 किमी. इंदिरानगर से सीजी सिटी –7.7 किमी. चारबाग से कल्ली पश्चिम –13 किमी. राजाजीपुरम से आईआईएम – 18.42 किमी. मुंशीपुलिया से जानकीपुरम – 6.29 किमी. सीजी सिटी से एयरपोर्ट –19.08 किमी. कल्ली पश्चिम से मोहनलालगंज – 6 किमी. सर्वे में रूट की लंबाई कम रखी गई है। इससे यह प्रोजेक्ट जल्दी पूरे होंगे। साथ ही इनको चरणबद्ध तरीके से पूरा करना आसान होगा। यूपीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक अब प्रदेश सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद आगे डीपीआर बनाने जैसी कार्यवाही शुरू होगी।

रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और घरों में नजरबंद करके सीजेपी के प्रदर्शन में लखनऊ जाने से रोके गए छात्र

(जीएनएस)।
चंद दिनों में सोशल मीडिया से उभरी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) दिल्ली के बाद अब देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मेश प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है. इसी कड़ी में सीजेपी के प्रमुख अभिजित दीपके 12 जून को लखनऊ पहुंचे थे. जहां लखनऊ समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने उन्हें समर्थन दिया. हालांकि, उत्तर प्रदेश के कई छात्र ऐसे भी थे जो इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सके. उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से पहले ही या तो हिरासत में ले लिया या फिर स्टेशन और बसों से उतारकर वापस भेज दिया. प्रयागराज

के कुछ छात्र भी इस प्रदर्शन में शामिल होना चाहते थे, लेकिन उन्हें पहले ही रोक लिया गया.

22 वर्षीय प्रेमचंद्र चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज (सीएमपी) से बीए की पढ़ाई कर रहे हैं. वह बताते हैं, 'मैं अपने दोस्तों हर्ष और इंद्रेश के साथ सीपीजे के प्रदर्शन में शामिल होना चाहता था. भारी तादाद में पुलिस मौजूद थी. वह मेरे जैसे तमाम युवाओं से पूछताछ कर रही थी. क्यों जा रहे हो?, कहा जा रहे हो? किसलिए जा रहे हो? जैसे सवाल पूछे जा रहे थे.

किसी पर जरा भी शक होने पर उसे वापस लौटा दिया जा रहा था. हमें भी रोकने की कोशिश हुई. हालांकि, हम दूसरे रास्ते से स्टेशन के दहलू पहुंच गए थे. वहां भी काफी पुलिस थी, जो बोगियों से छात्रों को उतार रही थी. हम किसी तरह छिपते-छिपाते ट्रेन में चढ़ गए, लेकिन फिर आगे मुझे रायबरेली स्टेशन पर उतार लिया गया. यहां स्टेशन पर ही घंटों बैठकर रखा गया. बाद में वापस आने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा क्योंकि आगे जाने के लिए कोई ट्रेन नहीं थी. पुलिस ने उस दिन मेरे जैसे सैकड़ों छात्रों को रोका.'

प्रेमचंद्र बताते हैं कि इस दौरान पुलिस उन्हें कह रही थी कि पढ़ाई पर ध्यान दो, इस सबके चक्कर में मत

पड़ो. वह पुलिस के इस रवैये पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं, 'हम पढ़ा लिखकर अब परीक्षा की तैयारी करेंगे, आगे अगर हमारे साथ भी ऐसे ही होगा. तो हमारा साथ कौन देगा.

इसलिए मुझे लगता है कि छात्रों का मुद्दा है और लगातार पेपर लीक हो रहे हैं तो मुझे शामिल होना चाहिए. "

23 वर्षीय चंद्र प्रकाश ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से स्नातक की है. वह कहते हैं, "12 जून को लखनऊ में सीपीजे का प्रदर्शन था लेकिन मुझे 11 जून से ही कलंगंज थाने और लोकल इंटीलिजेंस यूनिट (एलआईयू) के कॉल आने शुरू हो

गए. वो मुझसे 12 जून की योजना पूछ रहे थे, साथ ही थाने बुला रहे थे. हालांकि, मैं ऐसा नहीं कर रहा था. यहां पर तमाम छात्रों को इस तरह के

कॉल किए गए और उनके घरों पर जाकर उनसे पूछताछ की गई. इसकी वजह यह भी है कि मैं पहले से ही

यहां छात्रों के मुद्दे उठाता रहा हूं और विभिन्न प्रदर्शनों में शामिल होता रहा हूं. साथ ही छात्र संगठन दिशा से भी जुड़ा हूं. "

चंद्र प्रकाश बताते हैं, 'वह मुझपर लगातार दबाव बना रहे थे और कह रहे थे कि मैं लखनऊ न जाऊं. मेरे कमरे के बाहर पुलिस घूम रही थी.

हालांकि, मेरी खुद की वहां जाने की कोई योजना नहीं थी.'

प्रयागराज के ही एक अन्य छात्र संजय कहते हैं कि हम छोटा बघाड़ा में रहते हैं. यह शहर के सबसे प्रमुख और घने इलाकों में से एक है, जो मुख्य रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए जाना जाता है. यह क्षेत्र संसम के काफी नजदीक और यूनिवर्सिटी क्षेत्र के अंतर्गत आता है. यहां छात्र रात को चाय टपरी पर जुटते हैं. हमने देखा कि एक दिन पहले ही रात को यहां पुलिस की चहलचदमी थी. छात्रों पर निगरानी रखी जा रही थी कि कहीं वे रात वाली किसी ट्रेन से ही लखनऊ न पहुंच जाएं.

वह बताते हैं, "ज्यादातर छात्रों

की योजना गंगा गोमती एक्सप्रेस ट्रेन से जाने की थी. यह सवरे प्रयागराज से आती है और प्रयाग से 5 बजकर 55 मिनट पर छूटती है. हम भी करीब 10-15 मिनट पहले ही लखनऊ जाने के लिए स्टेशन पर पहुंच गए थे, हमने वहां देखा कि काफी तादाद में पुलिस की मौजूदगी थी. वह छात्रों से पूछताछ कर रही थी.

उनका आधार कार्ड और अन्य आईडी चेक की जा रही थीं. किसी पर जरा भी शक होता तो उसे जाने नहीं दिया जा रहा था. मुझे भी वहां से भगा दिया गया. हमारे कई साथी बस से जा रहे थे तो उनकी बस को रास्ते में ही रोककर बीच में उतार दिया गया. दिल्ली के कनाट प्लेस में संजय.

21 वर्षीय संजय इलाहाबाद

दायरे में आने वाले क्षेत्रों को कवर किया जाएगा.

मल्टी-प्रोडक्ट बास्केट: अनाज-सब्जियों के अलावा औषधीय उत्पाद, पंचांगव्य घी, और शुद्ध दूध भी इस चैन का हिस्सा होंगे.

स्थायी बाजार: केमिकल-फ्री उत्पाद तैयार करने वाले स्थानीय किसानों को अब अपनी फसल बेचने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, गोशालाएं ही उनका बाजार बनेंगी.

ग्रामीण स्तर पर पैदा होंगे बंपर रोजगार

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि 'जहर मुक्त भोजन' के इस पूरे चक्र को चलाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थानीय युवाओं को प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण स्तर पर बंपर रोजगार पैदा होंगे. प्रदेश में यह प्रयोग देश के सामने 'सेहत और समृद्धि' का एक अनूठा उदाहरण बनने जा रहा है.

मथुरा : श्रीकृष्ण जन्मभूमि चढ़ावे में 'बंदरबांट' का आरोप, सीएम योगी को खून से लिखा लेटर; सीबीआई जांच की मांग

(जीएनएस)।

मथुरा। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भी चढ़ावे को लेकर सवाल उठा है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास अध्यक्ष दिनेश शर्मा उर्फ फलाहारी बाबा ने आरोप लगाया है कि मंदिर की गोलक खोले जाने और चढ़ावे की गिनती के समय सीसीटीवी बंद कर दिए जाते हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खून से पत्र लिखकर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। दिनेश शर्मा श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में भी पक्षकार हैं। हालांकि, उनका मंदिर प्रबंधन से कोई सीधा संबंध नहीं है।

बख्शी का तालाब में छेड़छाड़ के विरोध पर चाकू से जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। बख्शी का तालाब में छात्रा से छेड़छाड़ और जानलेवा हमला करने के आरोपी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी तेज बहादुर सिंह को सुबह 11 बजे एसबीएफ भट्टे के पास से पकड़ा।

इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि आरोपी मामपुर गांव का निवासी है। पीड़िता ने मंगलवार को तेज बहादुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।



पीड़िता के अनुसार, वह मंगलवार सुबह परीक्षा देने जा रही थी। बाग में

पावर स्टार पवन सिंह के शो में बेकाबू हुई भीड़, पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज, बलिया में क्यों मचा हंगामा?

(जीएनएस)।

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और मशहूर सिंगर पवन सिंह का एक कार्यक्रम उस समय चर्चा का विषय बन गया, जब उत्तर प्रदेश के बलिया में आयोजित उनके शो के दौरान भारी हंगामा खड़ा हो गया। हजारों की संख्या में पहुंचे फैंस के बीच अचानक ऐसी स्थिति बन गई कि पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे ही पावरस्टार पवन सिंह स्टेज पर पहुंचे, उन्हें देखने और करीब से झलक पाने के लिए लोग आगे बढ़ने लगे। देखते ही देखते भीड़ बेकाबू हो गई और कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालात इतने बिगड़

गए कि वहां लगी कई कुर्सियां और टेबल भी क्षतिग्रस्त हो गई।

–कार्यक्रम में मंची अव्यवस्था के बीच पुलिस की हालात संभालने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। कार्यक्रम में मौजूद कुछ लोगों ने दावा किया है कि पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए सख्त रवैया अपनाया, जिससे कई दर्शकों को गंभीर चोटें आई हैं।

–घायलों में शामिल एक युवक ने आरोप लगाया कि उसे बिना किसी उकसावे के पुलिसकर्मियों ने पीटा।

उसके सिर पर चोट के निशान दिखाई दिए और उसने दावा किया कि वह केवल कार्यक्रम देख रहा था लेकिन फिर भी उसे निशाना बनाया गया।



हालांकि इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पवन सिंह के कार्यक्रम में मौजूद थे कई बड़े नेता

अगर, सीबीआई जांच नहीं कराई तो, वह इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। पूर्व में दिनेश शर्मा खून से पत्र लिखकर कई शिकायतें दूसरे मामलों में कर चुके हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि सारी व्यवस्था पारदर्शी है। जांच होगी तो सक्षम अधिकारी की साक्ष्यों संग जानकारी देंगे।

प्रबंधन बोला, सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में ही गिनती श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर प्रबंधन ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि हर माह करीब एक करोड़ रुपये का चढ़ावा आता है। इसका 80 प्रतिशत गोलकों में नकद में आता है। गोलकों से निकली दानराशि की रोजाना सीसीटीवी की निगरानी में गिनती होती है। प्रतिदिन दो कर्मचारी बैंक में दानराशि जमा करने जाते हैं।

भागवत भवन, केशव देव मंदिर, योग माया मंदिर, गर्भगृह आदि स्थानों पर गोलक (दान पेटिका) लगाई गई हैं। पारदर्शिता के लिए समय-समय पर कर्मचारी बदले जाते हैं। मंदिर प्रबंधन का दावा है कि सीसीटीवी रिकार्डिंग एक माह तक सुरक्षित रहती है, लेकिन अब उसे एक वर्ष के लिए सुरक्षित रखेंगे। इसके लिए उपकरण खरीदने की बात हो गई है। पांच हजार रुपये से अधिक का दान नकद नहीं लिया जाता है।

जानकारी के अनुसार इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में भोजपुरी एक्टर और सांसद रवि किशन के साथ उत्तर प्रदेश सरकार में परिवहन मंत्री

दयाशंकर सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम में राजनीतिक और मनोरंजन जगत की हस्तियों की मौजूदगी के कारण सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही चर्चा में थी लेकिन भारी भीड़ के चलते हालात नियंत्रण से बाहर हो गए।

निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में हैं पवन सिंह –जहां एक ओर बलिया का कार्यक्रम इस समय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर पवन सिंह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी लगातार खबरों में बने हुए हैं।

दुष्कर्म, ब्लैकमेल फिर जबरन धर्मांतरण! एयरफोर्स ऑफिसर की पत्नी के साथ खौफनाक खेल, जबरदस्ती कहलवाया 'कबूल है'

(जीएनएस)।

एक वीडियो, एक पुरानी जान पहचान और कई चौंकाने वाले आरोप...! नागपुर में सामने आए एक मामले ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की 24 वर्षीय पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसके साथ रेप किया गया, निजी तस्वीरों और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल किया गया, लाखों रुपये वसूले गए और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने की कोशिश की गई।

इस मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ये मामला और गंभीर हो गया। इस वीडियो में महिला लगातार विरोध करती और खुद को छोड़ने की गुहार लगाती दिखाई देती है। शिकायत के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। चौंकाने वाली बात ये है कि आरोपी महिला का पुराना परिचित है।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, मामले का मुख्य आरोपी अयाज ताज मदारे हैं, जो पीड़िता के साथ स्कूल के दिनों में एक ही क्लास में पढ़ चुका था। दोनों के बीच पहले से पहचान होने के कारण आरोपी को महिला तक पहुंच बनाने में आसानी हुई। जांच में सामने आया है कि लंबे समय बाद आरोपी ने फिर से महिला से संपर्क साधा और धीरे-धीरे उसके करीब आने की कोशिश की। पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने इस पूरी साजिश की शुरुआत कब और किस तरह से की थी।

वायरल वीडियो ने बढ़ाई मामले की चर्चा

घटना से जुड़ा जो वीडियो सामने आया है, उसने पूरे मामले को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वीडियो में आरोपी महिला के हाथ पकड़े हुए दिखाई देता

है और कुछ शब्द बोलता है और फूंक मारता नजर आता है। वहीं महिला बार-बार उसे हाथ छोड़ने के लिए कहती सुनाई देती है। वीडियो में उसकी आवाज में डर, घबराहट और विरोध साफ महसूस किया जा सकता है। महिला लगातार खुद को छोड़ने की बात कहती है, लेकिन आरोपी उसके हाथ पकड़े रहता है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

प्लॉट खरीदने के बहाने शुरू हुआ खेल

ऋक्रम में दर्ज जानकारी के मुताबिक, पीड़िता प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करती है। फरवरी 2025 में आरोपी ने प्लॉट खरीदने में रुचि दिखाते हुए उससे संपर्क किया था। शुरुआत में बातचीत पूरी तरह व्यावसायिक बताई गई, लेकिन धीरे-धीरे आरोपी ने महिला का भरोसा जीतने की कोशिश की। महिला का आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसे वर्धा रोड स्थित एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। उसे यह नहीं पता था कि आगे चलकर वह इस मुलाकात उसकी जिंदगी के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन जाएगी। महिला का कहना है कि वो और आरोपी बचपन में एक ही क्लास में पढ़ते थे इस वजह से उसे संदेह नहीं हुआ।

होटल में नशीला पदार्थ देने का आरोप

महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि होटल पहुंचने पर उसे जूस दिया गया था। उसका कहना है कि जूस में कोई नशीला पदार्थ मिलाया गया था, जिसकी वजह से कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। पीड़िता का आरोप है कि इसी स्थिति का फायदा उठाकर उसके साथ रेप किया गया।

इतना ही नहीं, आरोपी ने उसकी जानकारी के बिना फोटो और वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिए। महिला का कहना है कि जब उसे पूरी बात का पता चला, तब तक आरोपी उसके खिलाफ ऐसे सबूत तैयार कर चुका था जिनका इस्तेमाल बाद में उसे डराने और दबाव बनाने के लिए किया गया



आपत्तिजनक वीडियो के जरिए किया गया ब्लैकमेल पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद आरोपी ने उसे निजी फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी। महिला का आरोप है कि इसी डर का फायदा उठाकर आरोपी ने कई बार उसका यौन शोषण किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि लगातार ब्लैकमेलिंग के कारण वह मानसिक दबाव में रहती थी और खुलकर किसी को कुछ बता नहीं पा रही थी। महिला ने आरोप लगाया कि इसी दौरान उसके करीब चार लाख रुपये भी वसूले गए। आरोपी कथित तौर पर वीडियो वायरल करने और परिवार की बदनामी की धमकी देकर उससे पैसे मांगता रहा।

धर्म परिवर्तन के लिए बनाया दबाव महिला का दावा है कि ब्लैकमेलिंग और शोषण के साथ-साथ उस पर धर्म बदलने का दबाव भी बनाया गया। शिकायत के अनुसार, आरोपी उसे अलग-अलग धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए कहता था और इस्लाम अपनाने के लिए मनोवैज्ञानिक दबाव बनाता था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी कुछ शब्द पढ़कर उसके ऊपर

यूपी में धार्मिक यात्रा हुई और आसान; अयोध्या, नैमिषारण्य और चित्रकूट के लिए शुरू हुई नियमित 'सुगम दर्शन' सेवा

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश की आध्यात्मिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में 'विजिट माय स्टेट' अभियान के माध्यम से श्रद्धालुओं को रामनगरी अयोध्या की दिव्य आस्था और नैमिषारण्य की सनातन आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का अभियान तेज किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने 'सुगम दर्शन' सहित पांच वीकेंड धार्मिक टूर पैकेज को नियमित कर दिया है। अब श्रद्धालु लखनऊ से अयोध्या और नैमिषारण्य के साथ-साथ प्रयागराज-अयोध्या,

प्रयागराज-चित्रकूट और प्रयागराज-विंध्याचल धाम की यात्रा नियमित रूप



से कर सकेंगे। इन सेवाओं का लाभ इस वीकेंड (सप्ताहांत) से मिलना शुरू हो जाएगा।

यूपीएसटीडीसी प्रदेश में 'विजिट

माय स्टेट' अभियान को बढ़ावा देते हुए यात्रियों के लिए बुकिंग प्रक्रिया

को और आसान बनाया है। श्रद्धालु और पर्यटक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से यात्रा की बुकिंग करा

चन्नी-वड़िंग टकराव के बीच 66 नेताओं की दिल्ली परेड

(जीएनएस)।

पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव में समय बाकी है, लेकिन कांग्रेस ने अभी से अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी नेतृत्व में हलचल है कि अगर अंदरूनी गुटबाजी और संगठन की कमजोरियों को समय रहते नहीं सुधारा गया, तो 2022 जैसी स्थिति दोबारा पैदा हो सकती है।

यही वजह है कि कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब के 66 वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया है। राज्य की राजनीतिक स्थिति और संगठन की हालत पर फोडबैक लेना शुरू कर दिया है।

यह बैठक पंजाब कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ मान रहे हैं। आने वाले दिनों में पार्टी के संगठन और नेतृत्व में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

अंजना ओम कश्यप को कोर्ट ने किया राहत देने से इनकार, मानहानि केस में खान सर को मिला बड़ा मौका!

(जीएनएस)।

टीवी टूट्टे ग्रुप-टीवी एंकर अंजना ओम कश्यप और चर्चित शिक्षक खान सर समेत 7 अन्य लोगों के बीच चल रहे 2 करोड़ रुपये के मानहानि विवाद की सुनवाई बुधवार, 17 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में हुई। अंजना ओम कश्यप और टीवी टुट्टे नेटवर्क का आरोप है कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणियां, वीडियो और पोस्ट प्रसारित किए गए, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

इसी मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने फिलहाल किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने विवादित सामग्री हटाने की मांग पर भी तत्काल आदेश पारित नहीं किया और कहा कि उसके साथ गलत हरकतें की जाती थीं। पुलिस इस दावे की भी जांच कर रही है।

सुनसान जगह ले जाकर कहलवाया 'कबूल है'

महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि 31 मई को आरोपी उसे नागपुर के पास कलमेश्वर क्षेत्र में ले गया। वहां उसकी मुलाकात अमीन शेख और एक मौलाना से कराई गई। पुलिस के मुताबिक, फरार मौलाना मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। पीड़िता का आरोप है कि तीनों उसे एक सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उससे जबरन कुछ धार्मिक रस्में कराई गईं। महिला ने दावा किया कि मौलाना ने उससे कई बार 'कबूल है' कहलवाया और बाद में कहा गया कि उसका धर्मांतरण पूरा हो चुका है। इसके साथ ही उसे यह भी बताया गया कि उसका अयाज मदारे के साथ निकाह करवा दिया गया है।

पति के लौटने पर सामने आई पूरी कहानी पीड़िता के पति भारतीय वायुसेना (कञ्चक्र) में कार्यरत हैं और घटना के दौरान दूसरे शहर में तैनात थे। महिला का कहना है कि वह लंबे समय तक डर और दबाव में रही, इसलिए किसी को कुछ बता नहीं सकी। उसने आरोप लगाया कि कथित धर्मांतरण की घटना के बाद भी उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की गई। आखिरकार 12 जून को जब उसके पति ड्यूटी से घर लौटे, तब उसने पूरी घटना उन्हें बताई। पति को सारी जानकारी देने के बाद दोनों ने पुलिस से संपर्क करने का फैसला किया और सोनीगंव पुलिस स्टेशन पहुंचकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

बिना किसी प्रकार का अंतरिम आदेश जारी करना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने प्रतिवादी संख्या 1, 7, 10 और 11 को जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। मामले को अगली सुनवाई के लिए 2

जुलाई तक स्थगित कर दिया गया है। अंजना ओम कश्यप और टीवी टुट्टे नेटवर्क ने यह मानहानि मुकदमा खान सर के नाम से प्रसिद्ध शिक्षक फैसल खान सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ दायर किया है। मुकदमे में अभिनव शर्मा, बबीता त्यागी, अरविंद भदौरिया, मनीष यादव और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के कुछ यूजर्स को भी प्रतिवादी बनाया गया है। वादी पक्ष का आरोप है कि इन लोगों से जुड़ी टिप्पणियों, पोस्ट और वीडियो के जरिए उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया गया।

कुछ प्रतिवादियों की ओर से पेश वकीलों ने अदालत को बताया कि मामले में ऐसी कोई तत्काल स्थिति नहीं है, जिसके लिए तुरंत हस्तक्षेप की आवश्यकता हो। उनका कहना था कि सभी पक्षों के जवाब दाखिल होने के बाद ही मामले पर विस्तार से सुनवाई

की शिवसेना, 6 बागी सांसद एकनाथ शिंदे गट में हुए शामिल ?

भी चर्चा में है व' यॉकि इस बगawat ने न केवल उद्धव ठाकरे की राजनीतिक ताकत को कम किया है, बल्कि संवैधानिक रूप से बागी सांसदों की मजबूती दी है। दल-बदल विरोधी कानून से बचने के लिए किसी भी दल के कम से कम दो-तिहाई निर्वाचित सांसदों का अनिवार्य होना जरूरी होता है। लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) के कुल नौ सांसद थे, जिनमें से छह के जाने के बाद उन पर दलबदल कानून लागू नहीं होगा व' यॉकि इसके बाद बड़े उद्धव के पास केवल तीन सांसद ही बचे हैं।

कौन हैं ये 6 बागी सांसद, शिंदे गट में हुए शामिल ?

संजय जाधव परभणी से संसद हैं और इनका मराठवाड़ा में जयवत जनाधार है।संजय देशमुख (मजठमाल-वाशिप से सांसद हैं, टुट के अटकलों के समय केंद्रीय मंत्री से मुलाकात को लेकर चर्चा में आए।

बाबासाहेब (भाऊसाहेब)

की जानी चाहिए। प्रतिवादियों की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग मंचों पर की गई टिप्पणियां और पोस्ट हैं, इसलिए सभी को एक ही मुकदमे में शामिल करना उचित नहीं माना जा सकता।

कुछ वकीलों ने यह भी कहा कि वादी पक्ष के पास अन्य कानूनी विकल्प भी उपलब्ध हैं।

अंजना ओम कश्यप की ओर से क्या कहा गया अंजना ओम कश्यप की ओर से पेश वकील ने अदालत में कहा कि कुछ प्रतिवादियों ने उनके खिलाफ भेदद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने दावा किया कि केवल पत्रकार को ही नहीं, बल्कि उनके बच्चे को भी निशाना बनाया गया। वादी पक्ष के अनुसार, सोशल मीडिया पर मौजूद कुछ सामग्री में उनके बच्चे के स्कूल का नाम तक सार्वजनिक किया गया है। वकील ने अदालत से कहा कि यदि विवादित पोस्ट और वीडियो हटाने का निर्देश दिया जाता है तो इससे किसी पक्ष को कोई नुकसान नहीं होगा। हालांकि अदालत ने फिलहाल इस मांग पर कोई आदेश जारी नहीं किया। किन टिप्पणियों को लेकर है

सकते हैं। विशेष टूर पैकेज की बुकिंग यूपीएसटीडीसी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं। सभी यात्रा पैकेज में समूह बुकिंग पर विशेष छूट दी जाएगी।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसटीडीसी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर आकर्षक टूर पैकेज संचालित करता है। उन्होंने बताया कि विजिट माय स्टेट को बढ़ावा देते हुए 'सुगम दर्शन' सेवा को व्यापक जनसमर्थन के बाद नियमित कर दिया गया है। इसी क्रम में लखनऊ से नैमिषारण्य धाम के लिए संचालित एक दिवसीय यात्रा को भी नियमित किया गया है।

पर तय होगा कि पंजाब कांग्रेस का बॉस बदला जाएगा या नहीं।

पहले दिन बैंक कमरे में बनी प्लानिंग

गौरतलब है मंगलवार, 17 जून को दो दिवसीय समीक्षा के पहले दिन अजय माकन के पैनल ने 33 प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान नेताओं ने खुलकर अपनी भड़ास निकाली और राज्य के मौजूदा हालात पर अपनी राय रखी।

बैठक में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) के सदस्य अंबिका सोनी, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, मुखजिंदर सिंह रंधावा और विजय इंदर सिंगला शामिल थे। इनके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्टल, शमशेर सिंह डुल्लो और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा भी मौजूद रहे।

विवाद

याचिका में कहा गया है कि सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म पर अंजना ओम कश्यप को लेकर कई कथित मानहानिकारक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। इनमें "बिकाऊ पत्रकार", "चाटुकार", "दलाली" और "फेक न्यूज की दुकान" जैसे शब्द शामिल बताए गए हैं। वादी पक्ष ने अदालत से इन टिप्पणियों और उनसे जुड़े वीडियो व पोस्ट को हटाने का निर्देश देने की मांग की है।

2 करोड़ रुपये हजाने की भी मांग अंजना ओम कश्यप और टीवी टुट्टे नेटवर्क ने अदालत से कथित मानहानिकारक सामग्री हटाने के अलावा 2 करोड़ रुपये के हजाने की भी मांग की है। उनका कहना है कि विवादित पोस्ट और वीडियो के कारण उनकी प्रतिष्ठा और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा है।

पहले भी नहीं मिली थी राहत यह पहला मौका नहीं है जब अदालत ने मामले में तत्काल राहत देने से इनकार किया हो। इससे पहले 8 जून को भी हाईकोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए किसी प्रकार का अंतरिम आदेश पारित नहीं किया था। अब सभी पक्षों के जवाब दाखिल होने के बाद 2 जुलाई को मामले की अगली सुनवाई होगी।

गुट में हुए शामिल ?

वाकचौरें (शिंडी) से सांसद हैं। पहले कांग्रेस और भाजपा में रहे, बाद में उद्धव गट में लौटे और एक बार शिंदे पाला बदलते हुए शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं।

नागेश पाटिल अहिरकर हिंगोली में सांसद हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इनमें से लगभग 16 विधायक भी बहुत जल्द पाला बदलकर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे में शामिल हो सकते हैं।

लोकसभा में ठऊळ की बड़ गई ताकत इस टूट का सीधा फायदा केंद्र की सत्तारूढ़ एनडीए को मिलने जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के आने के बाद निचले सदन में एनडीए का संख्या बल अब 320 के आंकड़े के करीब पहुंच चुका है। विशेषकों का मानना है कि केंद्र सरकार संसद में दो-तिहाई बहुमत जुटाने के बेहद करीब है ताकि आने वाले समय में महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक आसानी से पारित कराए जा सकें।